पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशित: 16.09.2018 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

135वें महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस पर

11 कुण्डीय यज्ञ–संगीत संध्या

वीरवार, 8 नवम्बर 2018,

सायं 4 से 8 बजे तक

दिल्ली हाट,पीतमपुरा,दिल्ली

हजारों की संख्या में पंहुचे

वर्ष-35 अंक-8 आश्विन-2075 दयानन्दाब्द 194 16 सितम्बर से 30 सितम्बर 2018 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 16.09.2018, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 40वें स्थापना दिवस पर 'राष्ट्रीय आर्य युवा सम्मेलन' सम्पन्न

महर्षि दयानन्द की शिक्षाओं पर चलने की आवश्यकता– सांसद डा.सुशील गुप्ता

सामाजिक कुरीतियों के विरूद्व आर्य युवा संघर्ष करें –स्वामी आर्यवेश

धारा 370 व 35 ए समाप्त करो व समलैंगिगता को पुनः अपराध घोषित करो–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सांसद डा. सुशील गुप्ता का अभिनन्दन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य,आचार्य अखिलेश्वर जी(हरिद्वार), मनोहरलाल चावला (सोनीपत), रामकुमार आर्य (दिल्ली), डा. गजराजसिंह आर्य (फरीदाबाद), प्रवीन आर्य(गाजियाबाद), रामकृष्ण शास्त्री(बहरोड़,राजस्थान) व महेन्द्र भाई।

नई दिल्ली। रविवार, 9 सितम्बर 2018, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, नई दिल्ली के 40वें स्थापना दिवस पर योग निकेतन सभागार, पश्चिमी पंजाबी बाग, दिल्ली में ''राष्ट्रीय आर्य युवा सम्मेलन'' का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में देश के लगभग 14 प्रान्तों से 1000 से अधिक आर्य प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

मुख्य अतिथि सांसद व शिक्षाविद् डा. सुशील गुप्ता ने कहा कि आज आर्य समाज की पहले से कहीं अधिक आवश्यकता है, महर्षि दयानन्द जी के जीवन चरित्र व आदर्शो को अपने जीवन में अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज फिर समाज में कुरीतियों का बोलबाला हो रहा है, आर्य युवकों को चाहिए की वह इन कुरीतियों खिलाफ आगे आकर जनचेतना लाने का कार्य करें। चरित्रवान युवाओं पर ही समाज का भविष्य टिका हुआ है।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश ने कहा कि आज की दिग्भ्रमित हो रही युवा शक्ति को सही दिशा देने का कार्य आर्य समाज को करना है, आर्य समाज पर इस बात की विशेष जिम्मेदारी है, आर्य युवकों को चाहिये कि वह सामाजिक मुद्दों पर जन आन्दोलन करें व सामाजिक कुरीतियों के विरूद्व संघर्ष करें उससे ही समाज को फिर से पहचान मिल सकती है।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि धारा 370 व 35 ए देश की एकता अखण्डता में बाधक है इसे अविलम्ब समाप्त किया जाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने समलैंगिगता को सभ्य समाज पर कंलक व भारतीय संस्कृति पर हमला बताते हुए केन्द्र सरकार से उसे पुनः अपराध की श्रेणी में रखने की मांग की। आर्य ने कहा कि आज समाज में बढ़ता हुआ पाखण्ड–अन्धविश्वास चिन्ता का विषय है जिससे युवाओं में धर्म के प्रति अरूचि हो रही है,आर्य युवा पाखण्ड और अन्धविश्वास के प्रति लोगों को जनजागृत करेंगे और धर्म के सच्चे वैदिक स्वरूप से अवगत करवायेगे, गत् दिनों बुराड़ी गांव में हुई घटना चिन्ताजनक है। परिषद् युवा पीढ़ी को संस्कारित व चरित्रवान बनाने के लिए व्यापक अभियान चलायेगी, उन्होंने कहा कि चरित्र निर्माण,देश भक्त युवा पीढ़ी का निर्माण आज राष्ट्र की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

वैदिक विद्वान आचार्य अखिलेश्वर जी ने कहा कि आज देश की 67 प्रतिशत आबादी युवाओं की है, लेकिन उनके लिए देश व समाज के पास कोई

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का अभिनन्दन करते अनिल आर्य,आनन्दप्रकाश आर्य (हापुड़), यज्ञवीर चौहान (इन्द्रापुरम), रामकुमार आर्य, मनोहरलाल चावला,बलराज मलिक(हिसार)। द्वितीय चित्र में सभागार का सुन्दर दृश्य।

बाधायें कब बांध सकी है, आगे बढ़ने वालों को विपदायें कब रोक सकी हैं, मर कर जीने वालों को

आर्य नेता रवि चड्डा का सपत्नीक स्वागत करते रमेश गिरोत्रा,आनन्दप्रकाश आर्य (हापुड़), अनिल आर्य, जयप्रकाश आर्य (पलवल) व द्वितीय चित्र–समाजसेवी सुरेन्द्र कोहली का अभिनन्दन करते अनिल आर्य, प्रमोद चौधरी, यशोवीर आर्य व रामकुमार आर्य।

कर्मठ कार्यकर्ता सुरेश आर्य (दिल्ली), रामकृष्ण शास्त्री (बहरोड़, राजस्थान) व मित्रमहेश आर्य (अहमदाबाद, गुजरात) का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी व अनिल आर्य।

योग निकेतन, पंजाबी बाग, दिल्ली के सभागार का स्वयं उपस्थिति दर्शाता चित्र

योजना नहीं है, हमें युवा पीड़ी को पाखण्ड, अन्धविश्वास, गुरूडम वाद से बचा कर उनमें नैतिक शिक्षा, देशभक्ति, ईमानदारी, जातिवाद विहीन समाज की संरचना के लिए कार्य करना होगा। समारोह की अध्यक्षता आर्य नेता दर्शन अग्निहोत्री ने की, उन्होंने कहा कि आज प्रत्येक आर्य समाजी को एक व्यक्ति को बदलने का संकल्प लेना है जिससे कृण्वन्तो विश्वमार्यम् के सन्देश को हम सार्थक कर सके।

पूर्व पार्षद यशपाल आर्य, आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, राष्ट्रीय कवि प्रो. सारस्वतमोहन मनीषी, नरेन्द्र आर्य सुमन, डा.विवेक आर्य, आचार्य वीरेन्द्र विक्रम, आचार्य सन्दीप दर्शनाचार्य (सोनीपत), परिषद् के महामंत्री आचार्य महेन्द्र भाई, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, रामकृष्ण शास्त्री (राजस्थान), सुभाष बब्बर (जम्मू), प. धनेश्वर बेहरा (उड़ीसा), विकास तिवारी, डा. दीपक सचदेवा, मित्रमहेशआर्य (अहमदाबाद), ओम सपरा (मैट्रो पोलटेन मैजिस्टेस्ट), जितेन्द्रसिंह आर्य (फरीदाबाद), आचार्य भानुप्रताप वेदालंकार (इन्दौर), विभु आर्य (जबलपुर), स्वतन्त्र कुकरेजा (करनाल), मनोहरलाल चावला (सोनीपत), कमल आर्य (नागदा,मध्य प्रदेश), आनन्दप्रकाश आर्य (हापुड़), प्रवीन आर्य (गाजियाबाद), प्रवीन आर्या, धर्मरक्षिता शास्त्री, राधा भारद्वाज, गायत्री मीना (नोएडा), वीरेश भाटी (गौतमबुध नगर), देवेन्द्र भगत, सुरेश आर्य, धर्मपाल आर्य आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। सम्मेलन में 10 सूत्री प्रस्ताव भी पारित किये गये।

कर्मठ कार्यकर्ताओं ''आर्य श्रेष्ठी अवार्ड'' से विजय आर्य (इन्द्रापुरम), अमरसिह सहरावत (दिल्ली) व ''आर्य युवा रत्न अवार्ड'' से वरूण आर्य, पवन सिंह, कु. प्रगति व सौरभ आर्य (यमुना नगर) को सम्मानित किया गया। ध्वजारोहण माता पुष्पलता वर्मा ने करके समारोह का उद्घाटन किया व यज्ञ आचार्य अखिलेश्वर जी ने करवाया मुख्य यज्ञमान के रूप में सुरेन्द्र मानकटाला, वीरेश बुग्गा, सुशील गुलाटी ने शोभा बढ़ायी।

प्रमुख रूप से जयप्रकाश आर्य (पलवल), ईश आर्य (हिसार), श्रीकृष्ण दहिया (रोहतक), भारतभूषण धूपड़, रामेश्वर गोयल, सुरेन्द्र कोहली, चौ. ब्रहम्प्रकाश मान, डा. गजराजसिंह आर्य, यशोवीर आर्य, रवि चड्डा, आर.पी. सूरी, चन्द्रमोहन खन्ना, अमरनाथ बत्रा, राजेन्द्र लाम्बा, प्रेम बिन्द्रा, कस्तूरीलाल मक्कड़, रामकुमार सिंह, सौरभ गुप्ता, अरूण आर्य, शिवम मि्श्रा, करूणा शर्मा, भव्या डंग, गौरव सिंह, नरेश विज, उर्मिला आर्या, देवमित्र आर्य, महावीरसिंह आर्य, चतरसिह नागर, ओमवीरसिंह, संजीव ढाका (बागपत), वीरेन्द्र योगाचार्य (फरीदाबाद), विमला ग्रोवर, प्रमोद चौधरी, जितेन्द्र आर्य, हरिओम दलाल (बहादुरगढ़), ब्र. दीक्षेन्द्र, अशोक जांगड़ (रोहतक), सूर्यदेव आर्य (जीन्द), हरिचन्द स्नेही, सूर्यदेव शर्मा (सोनीपत) अजय गर्ग, आचार्य प्रज्ञानदेव शास्त्री (पानीपत), के.एल.राणा, मानवेन्द्र शास्त्री, अशोक आर्य, अजय तनेजा, आर. के. दुआ, विश्वनाथ आर्य, हंसराज आर्य, प्रेमकांत बत्रा, चौ. रघुनाथसिंह यादव, गोपाल जैन, माधवसिंह आर्य, रामभरोसे शाह, डा. धर्मवीर आर्य, ओमप्रकाश गुप्ता आदि विद्यमान थे। प्रातःकाल नाश्ता, दोपहर ऋषि लंगर व सायं काल जलपान की सुन्दर व्यवस्था परिषद् ने कर रखी थी। अत्यन्त उत्साह के साथ समारोह का समापन हुआ और एक नये जोश व संकल्प के साथ सब विदा हुए।

दिल्ली के राष्ट्रीय आर्य युवा सम्मेलन की सचित्र झलकियां

गुरूकुल,खेड़ाखुर्द,दिल्ली के प्रधान चौ. ब्रह्मप्रकाश मान का अभिनन्दन करते अनिल आर्य, राष्ट्रीय कवि प्रो. सारस्वतमोहन मनीषी, ओम सपरा, स्वतंत्र कुकरेजा (प्रान्तीय अध्यक्ष, हरियाणा) व द्वितीय चित्र–हरियाणा के प्रभारी मनोहरलाल चावला (सोनीपत) का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी, हरबंसलाल अरोड़ा, हरिचंद स्नेही, सूर्यदेव शर्मा, गुलशनलाल निझावन

''आर्य युवा रत्न'' पुरस्कार स्वामी आर्यवेश जी व अनिल आर्य से प्राप्त करते सौरभ आर्य (यमुना नगर,हरियाणा),द्वितीय चित्र–वरूण आर्य (सन्देश विहार, दिल्ली)

''आर्य श्रेष्ठी सम्मान'' से सम्मानित–आर्य समाज, इन्द्रापुरम के प्रधान विजय आर्य व सरिता आर्या द्वारा अनिल आर्य, यज्ञवीर चौहान, यशपाल आर्य,चतरसिंह नागर। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, उत्तम नगर, दिल्ली के मंत्री श्री अमरसिंह सहरावत का अभिनन्दन करते ओम सपरा (मैट्रो पोलटेन मैजिस्ट्रेट), यशपाल आर्य, अनिल आर्य, भारतभूषण धूपड़ व राजकुमार आर्य ।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली के 40 वें ''राष्ट्रीय आर्य युवा सम्मेलन'' में दिनांक 9 सितम्बर 2018 को पारित प्रस्ताव

1. यह सभा देश में बढ़ती हुई अन्धविश्वास व पाखण्ड की घटनाओं पर चिन्ता व्यक्त करती है,आर्य समाज की युवा शक्ति को आह्वान करती है कि इसके विरूद्व व्यापक जनजागरण अभियान चलाये। इलेक्ट्रोनिक्स चैनल से अनुरोध करती है कि वह समाज हित में भ्रामक विज्ञापन न दिखायें।
2. यह सभा केन्द्र सरकार से मांग करती है कि जम्मू कश्मीर से धारा 370 व 35 ए अविलम्ब समाप्त की जाये और पूरे देश के लिये समान आचार संहिता लागू की जाये और विदेशी घुसपेठियों को देश से अविलम्ब बाहर निकाला जाये।
3. अलगाववाद व आंतकवाद पूरी मानवता के लिये खतरा है,इसके पोषक तत्वों व संरक्षकों को सख्ती से कुचला जाये ।
4. गौ हत्या पर पूरे भारत में प्रतिबन्ध लगाया जाये ।
5. आज की शिक्षा पद्धति में अत्यन्त सुधार की आवश्यकता है, उसमें नैतिकता, देश भक्ति की भावना, मानवीय गुणों का समावेश किया जाये जिससे चरित्रवान, संस्कारित, देश भक्त युवा पीढ़ी का निर्माण हो सके ।
6. कोई कितना भी करे परन्तु स्वदेशी राजा सर्वोतम होता है इसी भावना को लेकर स्वदेशी,संस्कृत और हिन्दी भाषा के प्रोत्साहन के लिये कार्य प्रणाली विकसित की जाये ।
7. शराब व नशे की चीजें समाज के लिये घातक हैं,युवा पीढ़ी इससे बर्बाद हो रही है इससे उन्हें बचाने के लिय अधिकाधिक कार्य किया जाये और नशे के प्रचार विज्ञापन पर प्रतिबन्ध लगाया जाये।
8. शिक्षा पद्धति को रोजगार मूलक बनाया जाये जिससे युवा सम्मान पूर्वक रोजगार कर सकें और जातिगत आधार पर किसी भी प्रकार का आरक्षण समाप्त किया जाये । गुरूकुलीय शिक्षा पद्धति व्यक्ति को शिक्षा के साथ साथ संस्कार प्रदान करती है उसे प्रोत्साहन देने की कार्य योजना बनायी जाये ।
9. पश्चिमी बंगाल व देश के कई हिस्सों में हिन्दुओं पर हिंसा, अत्याचार व लह जिहाद की घटनायें बहुसंख्यक समाज के साथ अन्याय है, जहां हिन्दू अल्पसंख्यक है वहां उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाये
10. जनसंख्या नियन्त्रण कानून लागू किया जाये,वर्ग विशेष की बढ़ती संख्या एक नये पाकिस्तान को जन्म देगी,अतः हम दो हमारे दो सबके दो का सिद्वान्त अपनाया जाये ।
11. समलैंगिगता सभ्य समाज पर कंलक है,उसके विरूद्व संसद में कानून बनाया जाये।

भवदीयः–

अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष

महेन्द्र भाई, राष्ट्रीय महामंत्री

आर्य नेत्री पुष्पलता वर्मा व बहिन गायत्री मीना (नोएडा) का अभिनन्दन

आर्य समाज, विकासपुरी बाहरी रिंग रोड, दिल्ली की पूर्व प्रधान माता पुष्पलता वर्मा का अभिनन्दन करते प्रवीन आर्या, राधा भारद्वाज, धर्मरक्षिता शास्त्री व द्वितीय चित्र–आर्य समाज, सैक्टर–33, नोएडा की प्रधान बहिन गायत्री मीना का अभिनन्दन करते प्रवीन आर्या,माया आर्या,ममता चौहान,मीना आर्या व सरिता आर्या।

श्री ईश आर्य (हिसार), बलराज मलिक, सीताराम आर्य का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी व अनिल आर्य व द्वितीय चित्र–सुभाष बब्बर व रमेश खजूरिया (प्रान्तीय अध्यक्ष व महामंत्री,जम्मू कश्मीर) के अभिनन्दन का सुन्दर दृश्य।

उड़ीसा के प्रान्तीय अध्यक्ष धनेश्वर बेहरा, सूर्यदेव आर्य, विद्यासागर शास्त्री (जीन्द, हरियाणा) का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी, ओम सपरा (प्रधान, उत्तरी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल) व द्वितीय चित्र–वैदिक लेखक डा.विवेक आर्य का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी,अनिल आर्य व ओम सपरा ।

बधाईः परिषद् के दिल्ली प्रदेश महामंत्री अरूण आर्य का शुभ विवाह बबीता आर्या से सम्पन्न हुआ,आशीर्वाद प्रदान करते आचार्य प्रेमपाल शास्त्री,स्वामी आर्यवेश जी,प्रवीन आर्या व अनिल आर्य।

''आर्य युवा रत्न'' सम्मान से सम्मानित–कु.प्रगति (डाली) गाजियाबाद व पवन सिंह (ग्राम–खोड़ा,नोएडा) स्वामी आर्यवेश जी व अनिल आर्य से पुरस्कार लेते हुए।

जहाँ नहीं होता कभी विश्राम,
आर्य युवक परिषद है उसका नाम

शोक समाचार : विनम्र श्रद्धाजंलि

1. वैदिक साहित्यकार डा.भवानीलाल भारतीय का निधन, उल्लेखनीय है कि युवा उद्घोष के प्रथम अंक का लोकापर्ण आपके ही करकमलों से 1982 में आर्य समाज, अनारकली, मन्दिर मार्ग, नई दिल्ली में स्वामी सत्यप्रकाश सरस्वती, बाबू दरबारी लाल जी, श्री रामनाथ सहगल, पं. क्षितिज वेदालंकार आदि की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ था।
2. डा.वेदप्रकाश गुप्ता(देहरादून) का निधन, उल्लेखनीय है कि आप एस.एम. आर्य पब्लिक स्कूल, पंजाबी बाग, दिल्ली में आयोजित परिषद् के राष्ट्रीय अधिवेशन में श्री मदनलाल खुराना (मुख्यमंत्री, दिल्ली) द्वारा आर्य श्रेष्ठी अवार्ड से सम्मानित थे ।
3. श्रीमती सुषमा सेठ (आर्य समाज, कीर्ति नगर) का निधन ।
4. ओजस्वी वक्ता जैन मुनि श्री तरूण सागर का निधन।
5. श्री यशपाल सचदेवा (दिल्ली) का निधन ।
6. डॉ. सुन्दर लाल कथूरिया (जनकपुरी) का निधन।
7. श्री जगदीश सिंह वर्मा (सुन्दर विहार, दिल्ली) का निधन।

अपीलः केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता सं. **10205148690** स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–**110007**, आई.एफ.एस.कोड **-SBIN0001280** पर सीधे भेज कर हमें फोन न. **9868002130** पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके। अग्रिम धन्यवाद सहित। – डा. अनिल आर्य, मो.09810117464

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970